Popular Front of India

+91 11 46526919
popularfrontmail@gmail.com
www.popularfrontindia.org
/PopularFrontofIndiaOfficial
@PFIOfficial
/PopularFront EMedia
/pfiofficial

प्रेस रिलीज़

कालीकट
25 सितंबर 2021

असम पुलिस की फायरिंग मुसलमानों को मिटाने के एजेंडे का हिस्साः पॉपुलर फ्रंट

कालीकट में आयोजित एक प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया के चेयरमैन ओ एम ए सलाम ने कहा कि बीजेपी सरकार द्वारा असम के दरांग जिले मे किया गया नरसंहार मुसलमानों को मिटाने के हिंदुत्व एजेंडे का हिस्सा है। पुलिस ने गांव वालों पर अंधाधुंध फायरिंग की, जो कि उन जमीनों से जबरन बेदखली के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे थे जहां वे दशकों से रह रहे थे। पुलिस के एकतरफा हमले में 3 लोग मारे गए और कई लाग घायल हो गए। इलाके के लगभग 800 मुस्लिम परिवारों को राज्य सरकार अवैध अतिक्रमण का आरोप लगाकर बेदखल कर रही है। यह उन लोगों को बांग्लादेशी अवैध शरणार्थी बताकर उनकी नागरिकता छीनने की कोशिश का हिस्सा है।

यह इस बात का ताजा उदाहरण है कि बीजेपी शासित राज्यों में धर्म के नाम पर लोगों में ध्रुवीकरण किया जा रहा है और उन्हें मारा जा रहा है। गोली लगने के बाद भी एक व्यक्ति को पुलिस और पत्रकार द्वारा बुरी तरह मरा जाना हिंदुत्व सरकार के द्वारा भरी गई मुस्लिम विरोधी नफरत का खुला इशारा है। अंतरराष्ट्रीय रिपोर्टों से पता चलता है कि आरएसएस ने मुसलमानों को मिटाने के लिए बड़े पैमाने पर नरसंहार की योजना बना रखी है।

सत्ता का दुरुपयोग करते हुए आरएसएस ने देश में नरसंहार के सभी चरणों को पूरा कर लिया है। असम कत्लेआम को सीधे तौर पर सरकार के हाथों नरसंहार के एक तजुर्बे के तौर पर देखा जा सकता है। पुलिस फायरिंग के शिकार लोगों के प्रति एक पत्रकार की दरिंदगी यह दर्शाती है कि सरकार के द्वारा मुसलमानों के खिलाफ पदा की गई नफरत और दुश्मनी कितना खतरनाक रूप ले चुकी है। एनआरसी और सीएए के संदर्भ में, पूरे देश में नरसंहार करने को कोशिशों के खिलाफ जनता को खड़ा होना होगा।

2016 में सत्ता में आने के बाद से असम सरकार लगातार क्षेत्र के मुसलमानों को परेशान कर रही है। मुसलमानों के खिलाफ यह कार्यवाही मुख्यमंत्री हेमंत विश्व शर्मा के पूरे समर्थन के साथ की जा रही है। मुख्यमंत्री दोषी अधिकारियों की प्रशंसा करके और मस्जिदों को गिराए जाने और नागरिकों की जबरन बेदखली की तस्वीरें साझा करके मुस्लिम विरोधी नफरत को बढ़ावा दे रहे हैं। गांव वालों पर अत्याचार के जिम्मेदार अधिकारियों और राजनीतिक नेतृत्व के खिलाफ कार्यवाही जरूर होनी चाहिए।

सरकार को चाहिए कि वह मुस्लिम विरोधी अंधी भावना को खत्म करे और नागरिकता से वंचित किए गए नागरिकों के पुनर्वास का जिम्मा उठाए। पुलिस की बर्बरता के शिकार लोगों के परिवारों को उचित मुआवजा दिया जाए। वही असम सरकार की क्रूर शैतानी कार्यवाहियों के खिलाफ दशभर में विरोध प्रदर्शन होने चाहिए।

ओ एम ए सलाम ने इस घटना में पॉपुलर फ्रट के शामिल होने को लेकर सांसद दिलीप सिकाई के आरोपों को बकवास करार देते हुए कहा कि अगर कभी सूरज निकलने में थोड़ी देर हो गई, तो भी कुछ लोग यह कहेंगे कि इसके पीछे पॉपुलर फ्रंट है।

पॉपुलर फ्रंट असम सरकार के द्वारा जबरन बेदखल किए जा रहे गरीब लोगों की लड़ाई में कानूनी सहायता को सुनिश्चित बनाएगा। संगठन पुलिस के अत्याचारों के खिलाफ देशव्यापी विरोध प्रदर्शन और रैलियों का आयोजन करेगा। प्रेस कॉन्फ्रेंस में पॉपुलर फ्रंट के केरल प्रदेश अध्यक्ष सी.पी. मोहम्मद बशीर भी मौजूद रहे।

डायरेक्टर, मीडिया एवं जनसंपर्क
मुख्यालय, पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया,
नई दिल्ली